रही है । रिपोर्ट इनके पास आ गई है, सहायता कार्य से इसका भी सम्बन्ध है ।

अध्यक्ष महोदय : इसमें यह सवाल पैदा नहीं होता है ।

श्री एस० एस० पांडे : यू० पी० सरकार ने कहा है कि 50 परसैन्ट से ज्यादा नुकसान रबी-क्राप का हुआ है, लेकिन सेन्ट्रल गवर्नमेंट की फिगर्स कुछ दूसरी थीं । उसके बाद सैन्ट्रल टीम को वहां भेजा गया । मैं जानना चाहता हूं कि सैन्ट्रल टीम का असेसमेंट क्या है तथा आप क्या-क्या सहायता यू० पी० सरकार को दे रहे हैं ताकि वहां पर रिलीफ़ मेजर्ज दिये जा सकें ।

SHRI ANNASAHEB P. SHINDE: There is no conflict between the assessments of the UP Government and the Central Government. We have been relying on the assessment of the State Government because they are close to field conditions.

As for relief measures, I have already mentioned about the team. Their report as to the extent of assistance recommended is being examined.

श्री ईश्वर चौधरी : मैं उत्तर प्रदेश के बगल में दो कदम आगे बढ़ कर उत्तर-बिहार के बारे में पूछना चाहता हूं . . . .

अध्यक्ष महोदय : आप आगे न बढ़िये ।

श्री ईश्वर चौधरी : मैं दूसरा सवाल पूछता हूं । असामयिक वर्षा के कारण इस बार जो बाढ़ आई, उससे बहुत ज्यादा किसान प्रभावित हो रहे हैं । क्या उनको खरिहम-बिहन या भिन्न-भिन्न तरह की सहायता पहुंचाने की तत्काल कोई योजना है ? यदि ऐसी योजना है तो उसको कब तक कार्यान्वित किया जायेगा—यह बिलकुल जनरल सवाल है ?

SHRI ANNASAHEB P. SHINDE: I have mentioned that relief measures are being taken by the State Government.

श्री राम सूरत प्रसाद : माननीय मंत्रीजी ने बताया कि रिलीफ़-मेजर्ज देने की उत्तरप्रदेश सरकार की जिम्मेदारी है । लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के सामने आर्थिक-संकट है, जिसके लिये उत्तरप्रदेश सरकार ने केन्द्रीय सरकार से मांग की है । मैं जानना चाहता हूं कि रिलीफ़ मेजर्ज के लिये अब तक कोई आर्थिक सहायता केन्द्रीय सरकार ने दी है ? यदि दी है, तो कितनी ? अगर नहीं दी है तो कब तक देने का इरादा है ताकि रिलीफ़ मेजर्ज वहां पर जल्दी से जल्दी चालू किये जा सकें ?

SHRI ANNASAHEB P. SHINDE: We have received the report of the Central team which has recommended the quantum of assistance to be given to the State Government.

T. B. among Workers of Mica Mines in Hazaribagh

*1452. SHRI R. P. YADAV: Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether Government are aware that large number of workers in mica mines in the District of Hazaribagh are suffering from Tuberculosis as the ventilation in mica mines is almost nil; and

(b) the steps being taken for regorous inspections by the Director General of Mines and Safety regarding ventilation in the mines and arrangment of drinking waters at mine-sites?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF LABOUR AND REHABILIATATION (SHRI BALGOVING VERMA): (a) As Tuberculosis is not a notifiable disease under the Mines Act, 1952; statistics regarding its incidence are not available with the Director General of Mines Safety.

(b) Regular inspections are carried out by the Mines Inspectorate to enforce the statutory provisions relating to ventialation and supply of drinking water.

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, हजारी बाग जिले की किसी भी खान में इस तरह की कोई भी सेवा नहीं है, यहां तक कि मजदूरों के लिये नल की भी व्यवस्था नहीं है, उनकी

जिन्दगी आज खान-मालिकों की मर्जी पर निर्भर करती है । मैं जानना चाहता हूँ कि किन-किन खानों में मैडिकल फेसिलिटीज हैं ?

श्री बालगोविन्द वर्मा : मैं माननीय सदस्य को यह बताना चाहता हूँ कि हमारे कुछ हास्पिटल्स सेन्ट्रली लोकेटेड है—जैसे कर्मा हास्पिटल बिहार में है जिसमें 100 बेड्स है और गंगापुर हास्पिटल राजस्थान में हैं और इसके अलावा मोबाइल डिस्पेंसरीज हैं जोकि मौके पर जाती है । . . . (**व्यवधान**) . . . हम परमानेन्ट नेचर की डिस्पेंसरीज नहीं खोल सकते हैं इसलिए मोबाइल डिस्पेंसरीज रखी हैं जो कि जाकर अटेंड करती हैं ।

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मेरे प्रश्न का जवाब नहीं मिला । मैंने पूछा था कि कहां-कहां किस खान में हास्टिल्स हैं लेकिन मन्त्री महोदय ने कह दिया कि मोबाइल डिस्पेंसरीज हैं । उन्होंने दूसरी तरह से इसका जवाब दिया ।

दूसरी बात मैं अपनी व्यक्तिगत जानकारी के आधार पर कहना चाहता हूँ कि उन खानों में किसी में भी अभी तक लिफ्ट की व्यवस्था नहीं है और न ही हवा की कोई व्यवस्था है । तो मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूँ क्या सरकार के पास कोई ऐसी योजना है जिसके अन्तर्गत वहां पर मजदूरों के हित को ध्यान में रखते हुए लिफ्ट और हवा की व्यवस्था की जाये ?

श्री बालगोविन्द वर्मा : माइका माइन्स जो होती है वह बहुत गहराई तक नहीं जाती है बल्कि उनमें सर्फेस खुदाई ही होती है, केवल थोड़ी गहराई तक ही वह जाती है । . . . (**व्यवधान**) . . . . कुछ पार्टिकिल्स मजदूरों के लंग्ज में जाते हैं इसलिए वहां पर वेट ड्रिलिंग की व्यवस्था कर दी है ताकि मजदूरों को नुकसान न पहुँचे । माननीय सदस्य ने हवा की व्यवस्था करने की जो बात कही है, वह कोई कोल माइन्स तो है नहीं जो कि काफी गहराई तक जायें और जहां हवा की व्यवस्था करना आवश्यक हो । इसलिए वहाँ पर हवा की व्यवस्था करने की कोई जरूरत नहीं है । वेट ड्रिलिंग की व्यवस्था वहां पर हो रही है और उसके अलावा अगर किसी चीज की कमी मालूम होती है तो उसकी व्यवस्था की जाती है । . . . (**व्यवधान**) . . . Let me make clear one thing. He has asked about ventilation. This arrangement for ventilation has been made. Where natural ventilation has not been possible, they have provided mechanical ventilation.

श्री आर० बी० बड़े : मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि माइका माइन्स में टी० बी० डिजीज नेचुरल समझी जाती है और उन्होंने कहा है कि मोबाइल डिस्पेंसरीज कायम की गई है तो मोबाइल डिस्पेंसरीज के जरिए से टी० बी० जैसे रोग का उपचार किस प्रकार किया जा सकता है ? . . . (**व्यवधान**) . . . I want to know whether there is any hospital for the mica mines in Madhya Pradesh.

अध्यक्ष महोदय : आपने मोबाइल डिस्पेंसरीज के सवाल को टी० बी० से जोड़ लिया . . . (**व्यवधान**) . . . He is asking for an opinion.

अगर आप को इस तरह की बात पूछनी हो तो सीधे प्रश्न पूछ लिया कीजिए । . . . (**व्यवधान**)

श्री आर० बी० बड़े : मन्त्री महोदय ने कहा कि मोबाइल डिस्पेंसरीज रखी है इसलिए मैंने पूछा कि टी० बी० की बीमारी जो कि माइका माइन्स में होती है उसका इलाज मोबाइल डिस्पेंसरीज से किस प्रकार हो सकता है ?

श्री बालगोविन्द वर्मा : टी० बी० की बीमारी आम तौर से हर जगह होती है, इसमें माइका माइन्स की ही बात नहीं है । यहाँ पर जो बीमारी हो सकती है उसका नाम है सिलीकोसिस । यह बीमारी ट्यूबर-कुलोसिस से मिलती जुलती है लेकिन वास्तव में ट्यूबर कुलोसिस नहीं है । ट्यूबर कुलोसिस छुआछूत की

बीमारी है लेकिन यह बीमारी छुआछूत की नहीं है। इसमें लंग्ज अफेक्टेड होते हैं इसलिए कभी-कभी इसको ट्यूबर कुलोसिस समझ लिया जाता है। तो इस तरह की बीमारी वहाँ पर हो जाती है लेकिन यह बीमारी भी न होने पाए उसके लिए साधन जुटा दिए गए हैं।... (व्यवधान) ...टी०बी० के ट्रीटमेन्ट की व्यवस्था जगह जगह पर स्टेट गवर्नमेंट ने कर रखी है। हमारे पास भी इसकी विशेष व्यवस्था है कि इस कार्य में केवल 16 हजार मजदूर लगे हुए हैं। ....(व्यवधान)....

अध्यक्ष महोदय: आप यह बता दीजिए कि मोबाइल डिस्पेंसरीज से आप इसका इलाज कैसे कर सकते हैं।

श्री बालगोविन्द वर्मा: जहां कहीं भी वर्क्स को टी० बी० या सिलीकोसिस वगैरह की बीमारी होती हैं तो मोबाइल डिस्पेंसरीज उनको, जाकर अटेंड करते हैं और जैसा—मैंने पहले बताया कि उसके लिए सेन्ट्रल हास्पिटल्स भी हैं—एक गंगा नगर में और एक बिहार में—अगर कोई खास सीवियर केसेज होते हैं तो उनको वहां भेज दिया जाता है वरना मोबाइल डिस्पेंसरी अटेंड करती है और दवाई का इन्तजाम करती हैं।

अध्यक्ष महोदय: जितने सवाल पहले हो जाते थे, मैं देख रहा हूं अब नहीं हो पा रहे हैं। ऐसा करना चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा मेम्बरों को मौका मिल सके।

श्री शंकर दयाल सिंह: अभरक खानों के सम्बन्ध में मन्त्री महोदय ने जो कहा कि 16 हजार मजदूर काम करते हैं वह फीगर गलत है, इसमें 56 हजार मजदूर काम करते हैं। कोडरमा, डोमचांच, झुमरी तलैया और गिरीडीह—ये चार खानें है। मैं उन्हीं मजदूरों का यहां पर प्रतिनिधि हूं। मैं आपके द्वारा मन्त्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिन खानों में रोशनदान नहीं है उन मजदूरों के स्वास्थ्य के लिए कोई प्रबन्ध नहीं है उसको करने के लिए सरकार ने कौन-सी कार्यवाही की है। वहां पर जाकर निरीक्षण तो किया जाता है लेकिन उसके बाद कोई कार्यवाही नहीं की जाती है, इसलिए मैं जानना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में यदि कोई कार्यवाही हुई है तो उसका विवरण दें।

श्री बालगोविन्द वर्मा: पहली बात माननीय सदस्य ने यह कही है कि माइका खानों में 56 हजार मजदूर हैं तो यह उनकी अपनी इंफार्मेशन होगी, मैं उसको यहाँ पर कन्टेस्ट नहीं करना चाहता लेकिन मुझे 16 हजार माइका वर्कर्स की इंफार्मेशन है।...(व्यवधान)... बिहार में 9058, आंध्र प्रदेश में 4130 और राजस्थान में 2689 वर्कर्स हैं। इस प्रकार से करीब 16 हजार माइका वर्कर्स की इंफार्मेशन हमारे पास है।...(व्यवधान)...

MR. SPEAKER: I am not going to allow any arguments over the question. He is giving information. If you have got some other information, you cannot force it on the Minister.

श्री शंकर दयाल सिंह: मैंने दूसरा स्पष्टीकरण भी पूछा है।...(व्यवधान)...

श्री बालगोविन्द वर्मा: जहां पर वेंटिलेशन की व्यवस्था नहीं है और जो वर्कर्स को तकलीफ़ होती हैं वहां मालिकों के खिलाफ़ कार्यवाही की जाती है। मैं कहना चाहता हूँ कि बराबर माईन्स का इंस्पेक्शन होता है, और जहां पर वेंटिलेशन की व्यवस्था नहीं है या माइन्स ऐक्ट का उल्लंघन करते हैं वहां के मालिकों के खिलाफ़ कार्यवाही की जाती है।

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव: कौन-सी कार्यवाही की गयी है इन के खिलाफ़।

अध्यक्ष महोदय: वेंटिलेशन के बारे में अलग से सवाल पूछते।

Capitation Fees under E. S. I. Scheme

*1453. SHRI INDRAJIT GUPTA: Will the Minister of LABOUR AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether doctors under the Employees State Insurance penal system are dissatisfied with their present rate of capitation fees;